



श्रीशम्भुजी - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासकुम

C/O. शाह गोविंदजी वीरम, इंडस्ट्री कम्पाउन्ड, मोटा रोड, औरंगाबाद - ४३१ ००९

मास्टर ऑफ जैनियम

♦♦♦ जवाब पत्र ♦♦♦

वर्ष : नवम्बर
सत्र : २०२२
विषय : हिन्दी

अनुरोधन नं०

M.T.-II प्रथम-वर्ष

हिन्दी

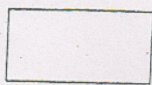
विद्यार्थी नाम

प्रश्न-१ ना जवाब

- | | |
|---------------------------------|-----------------------------|
| (१) असाती वेदनीय
ईश्वर | (१४) शिल्प आद्य |
| (२) वेदग्रन्थ
(संज्ञा-संपत्) | (१५) पौद्गलिक |
| (३) निरंश-अंश | (१६) नंद (एकत्व
परिणाम) |
| (४) वैश्वसिक | (१७) ज्योतिष्कों की |
| (५) भवस्थिति | (१८) रत्नप्रभा |
| (६) आदिमान | (१९) मवेच्छ |
| (७) वैधर्म्य | (२०) परिगणन |
| (८) अनुभाव
(स्वभाव) | (२१) प्रतिबिम्ब रूप
छाया |
| (९) एक सौ साठ | (२२) रूपत्व-स्वभाव |
| (१०) अनपवर्तनीय
आद्य | (२३) शब्द |
| (११) धनोपधि वलय | (२४) नील पर्वत |
| (१२) तुल्य परिणाम | (२५) अविकल्प |
| (१३) द्रव्य और गुण | |

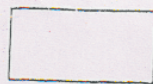
प्रश्न-२ ना जवाब

- | | |
|---------------------------------|--------------------------------------|
| (१) अगुरु लघुत्व
गुण | (१४) पारिणामिक |
| (२) नियंच | (१५) उपमान से |
| (३) धर्म आदि | (१६) चाँदि-स्पष्टिक
आदि |
| (४) प्रदेश प्रचयरूप
(अरितकय) | (१७) वनस्पतिकाय |
| (५) नरक-भूमियाँ | (१८) परमाणु और
इंद्रिय |
| (६) जीवन-प्रद | (१९) त्रैकांशिक |
| (७) चाक्षुष | (२०) नियंच |
| (८) क्रमहोत्र
(पाचवारकी) | (२१) बारहवें स्वर्ग से
उपर के देव |
| (९) सूर्य के
उदयास्त पर | (२२) उरग |
| (१०) पिशाच का | (२३) चाक्षुष सुंध्य |
| (११) पूर्व जन्म कृत
नीच दोष | (२४) तारों की |
| (१२) लोकाकाश | (२५) उत्तर दिशा |
| (१३) वितत | |



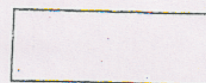
प्रश्न १-मेजवेल गुण

+



प्रश्न २-मेजवेल गुण

=



कुल गुण

रीमाई

तपासनागरी सही